श्री मनुभाई शाह : यह मशीनरी सप्लाई का मामला है, टेक्निकल कोलैबोरेशन का नही है । अभी भारत के अन्दर पेपर तैयार करने के लिये जो मशीनरी चाहिये वह बडे पैमाने पर नही तैयार हो रही है । छोटे छोटे पार्ट्स अलबत्ता यहा पर बन रहे है और लोग कोशिश कर रहे है कि अगले दो, तीन सालों के अन्दर इजीनियरिंग की ऐसी फैक्टरियां लगाई जाये जिनसे कि बडे प्लाट्स भी बने और छोटे प्लाट्स भी बने । ऐसी दो स्कीमें इस समय हमारे सामने विचाराधीन है ।

Shri Achar: What is the capacity? What is the contemplated production?

Shri Manubhai Shah: Five tons per day.

Shri Tangamani: May I know whether the Government has seen a Press report that this paper mill will be started in Salem District? Does it refer to this mill which the hon. Minister has said or is there any other proposal for a second paper mill in Salem District?

Shri Manubhai Shah: It is for a much bigger rayon grade pulp mill for which we have invited a special Japanese team to see whether from the available raw materials in the country in the forest areas of Nilgiris, Nilambur and elsewhere we can manufacture rayon grade pulp and paper. That is the team to which the hon. Member is referring

क्रिकेट मैचों के आंखों देखे हाल का प्रसारण

*१६५८. **श्री भक्त दर्शन:** क्या सूचना और प्रसारण मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि अभी हाल मे भारत के विभिन्न नगरो मे भारत और वेस्ट इंडीज के बीच खेले गये क्रिकेट मैचो के आखों देखे हाल का प्रसारण आकाशवाणी मे केवल अंग्रेजी मे किया गया;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार से इस आशय की मांग की गई है कि भविष्य में इस प्रकार के आंखों देखे हाल का प्रसारण हिन्दी के साथ-साथ अन्य प्रादेशिक भाषाओ मे भी किया जाये, और

(ग) यदि हां, तो इस मांग पर क्या निर्णय किया गया है ?

सूचना और प्रसारण मंत्री (डा० केसकर) . (क) और (ख). जी, हा ।

(ग) पहिले भी हिन्दी तथा देश की दूसरी भाषाओ मे क्रिकेट मैचो के आखो देखे हाल को सुनाने की कोशिश की जा चुकी है, लेकिन वह सफल नही हुई । फिर भी इस विषय पर फिर से विचार किया जा रहा है ।

Shri Sampath: May we have the answer in English also?

The Minister of Information and Broadcasting (Dr. Keskar): (a) and (b) Yes, Sir.

(c) Commentaries in Hindi and other regional languages have been attempted in the past but they were not successful. However, the matter is again being examined

श्री भक्त दर्शन श्रीमन्, क्या यह सत्य है कि केवल क्रिकेट मैचो का ही नही बल्कि जितने और भी दूसरे समारोह होते है जैसे ओलम्पिक गेम्स या अभी हाल मे एक बडी कुश्ती दिल्ली मे हुई थी उन सब की भी घोषणाए अंग्रेजी मे की जाती रही और जितने भारतीय श्रोता थे हिन्दी के जानने वाले और जो कि अंग्रेजी नही जानते थे उनको इससे बडी कठिनाई हुई और क्या इस सम्बन्ध मे कोई ऐसी व्यवस्था करने का विचार किया जा रहा है जिससे कि भविष्य मे ऐसी कठिनाई उनको महसूस न हो ?

सूचना और प्रसारण मंत्री के सचिव (श्री आ० चं० जोशी) : यह सवाल इस प्रश्न से नही उठता है । The question relates to the cricket matches.

श्री भक्त दर्शन : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस पर आपकी व्यवस्था (रूलिंग) चाहता हूं ।

Mr. Deputy-Speaker: Today the only question was about the commentaries on cricket matches. He wants to have fresh notice if commentaries of other events are to enquired into.

श्री वाजपेयी : अभी कहा गया कि क्रिकेट मैचों के सम्बन्ध में हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं में जो कोमेंटरीज की गईं वह सफल नहीं हुईं । मैं यह जानना चाहता हूं कि इनके सफल न होने का कारण क्या है ? क्या वह बोलने वाले की गल्ती से सफल नहीं हुई या मैच सफल नहीं हुए या सुनने वाले ठीक तरीके से नहीं सुन सके ।

श्री आ० चं० जोशी : जो कमेंटरिया की गयी उनमें कमिया थी, और साथ ही साथ क्रिकेट की जो शब्दावली है वह इटरनेशनल है और वह अंग्रेजी में है । उसको भी हिन्दी में अनुवाद करने की मुश्किलात है ।

Shri Hem Barua: In view of the fact that cricket is an English game, may I know whether that is one of the reasons for adopting English language for commentaries?

Mr Deputy-Speaker: That he has answered.

Shri Joachim Alva: If the commentaries are being continued in English language, may I know why the services of one of India's most popular commentators, Mr Talyarkhan, are not being utilised and half a dozen other commentators are being employed?

Shri A. C. Joshi: Sir, that is a suggestion for action.

Shri Aurobindo Ghosal: May I know whether it is a fact that commentaries of football matches of Calcutta are nowadays made in Bengali; if so, why it cannot be made in other languages?

Mr Deputy-Speaker: The hon. Parliamentary Secretary has already stated that today we have to confine ourselves to commentaries on cricket matches only.

श्री बघराज सिंह : अभी बताया गया कि इसमें सफलता नहीं मिली थी । मैं जानना चाहूंगा कि सफलता जानने का कौन सा तरीक मन्त्रालय की तरफ से अपनाया गया था । किस तरह यह पता लगाया गया कि हिन्दी में या दूसरी भारतीय भाषाओं में जो कमेंटरी की गयी वह सफल नहीं हुई । यह किस तरह जाना गया । क्या किसी ने शिकायत की थी ?

श्री आ० चं० जोशी : सुनने वालों ने इसको पसन्द नहीं किया ।

सेठ गोविन्द दास : अभी मन्त्री जी ने यह कहा कि इस सम्बन्ध में कोई अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावली है । मैं जानना चाहता हूं कि किस विशेषज्ञ ने कहा है कि वह अन्तर्राष्ट्रीय शब्दावली है । और जो अभी मन्त्री जी ने यह कहा कि सुनने वालों ने पसन्द नहीं किया तो क्या सुनने वालों की कोई दरखास्तें आयी थीं जिनमें कहा गया था कि पसन्द नहीं है ?

श्री आ० चं० जोशी : क्रिकेट जिन देशों में खेला जाता है उनकी एक भाषा है । इस खेल की उत्पत्ति इगलैंड से हुई है और अंग्रेजी में ही उसकी शब्दावली है ।

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि

Mr. Deputy-Speaker: Order, order. At least there ought to be no commentaries now when we are having the Question Hour. Those commentaries are running on even now and in all languages.

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि इसके बारे में आस्ट्रेलिया से जो क्रिकेट टीम आ रही है उसके आने से पहले फैसला कर लिया जायेगा ?

Shri A. C. Joshi: Sir, that is a suggestion for action.

Press Representatives in the President's Party

*1661. **Shri Rameshwar Tantia:** Will the Minister of Information and Broadcasting be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the press representatives of leading newspapers were not included in the Presidential Party now on a visit to South East Asian countries;

(b) if so, the reasons therefor; and

(c) what is the method of such selection?

The Parliamentary Secretary to the Minister of Information and Broadcasting (Shri A. C. Joshi): (a) to (c). In selecting Press representatives for such visits, efforts are made to get as representative a group as possible, including language newspapers. It is also kept in view that all important papers or press interests should get their turn. The willingness of the papers concerned to bear the cost of the trip and the availability of accommodation have also to be kept in view. In the present case accommodation was available only for four correspondents. After consultation with journalistic organisations, the correspondents of the following were nominated:—

(1) Press Trust of India,

(2) Amrit Bazar Patrika (English), Calcutta and Jugantar (Bengali), Calcutta.

(3) Hitavada (English) Nagpur and Bhopal, Mathurbhumi (Malayalam), Kozhikode, Samyukta Karnataka (Kannada). Bangalore and Hubli, Tamil Nadu (Tamil), Madurai.

The Indian Language Newspapers Association had intimated that the Editor of 'Samaj', Cuttack, would represent them. He cancelled his trip at the last moment.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether it is a fact that certain press representatives are included in such conducted tours every time; and, if so, may I know whether the hon. Minister will get a list of the representatives who went in these tours for the last two or three years?

Shri A. C. Joshi: It will be laid on the Table of the House, Sir, if the hon. Member so desires.

Shri Rameshwar Tantia: May I know whether it is a fact that representatives of language newspapers are neglected and more importance is given to representatives of English newspapers?

Shri A. C. Joshi: No, Sir; it is not true. In fact, in this case the English papers have suffered. They could not send their representatives, while the Indian language newspapers were given priority and preference over the English newspapers.

श्री भक्त दर्शन : मैं यह जानना चाहता हूं कि इंडोचाइना के दौरे में जो चार पांच पत्रकार भेजे गये क्या सारे हिन्दुस्तान में हिन्दी का एक भी ऐसा पत्रकार नहीं मिला कि जो उनके साथ भेजा जा सकता, और क्या इस सम्बन्ध में कोई प्रयत्न किया गया ?

श्री आ० चं० जोशी : हिन्दी के पत्रकारों से कहा गया लेकिन वह लोग नहीं गये ।

श्री रघुनाथ सिंह : किससे कहा गया ?

Mr. Deputy-Speaker: That is the information that the Minister has given. If hon. Members doubt it, there are other occasions when they can settle it, not now.

श्री बालवेयी : मैं यह जानना चाहता हूं कि हिन्दी के कौन से पत्रकारों को जाने के लिये कहा गया, और यदि उन्होंने असमर्थता प्रकट की तो उसके क्या कारण थे ?

श्री आ० चं० जोशी : "आज" हिन्दी का एक प्रमुख पत्र है, उससे कहा गया । वह लोग नहीं गये ।